**प्रैस रिलीज़ - मुशायरा जश्न-ए-बहार-2017**

# उर्दू आज भी दिलों पर राज करती है, उर्दू शायरी की मक़बूलियत इसका सबूत

## जश्न-ए-बहार की जादुई फ़िज़ा में दर्शक हुए मन्त्र मुग्ध

**नई दिल्ली, 14 अप्रैल: किसी ज़बान के अदब की मक़बूलियत को उस ज़बान** के ज़िंदा होने **का प्रमाण मान लिया जाय, तो** आज शाम **दिल्ली में आयोजित मुशायरा जश्न-ए-बहार 2017** इस की जीती जागती मिसाल है. यहाँ पेश किया गया **देश-विदेश से आये उर्दू के मशहूर शायरों** का मेयारी **कलाम** और **दर्शकों** की **भरपूर दाद** इस बात की पुख्ता दलील बन के उभरे के उर्दू हिन्दुस्तानियों के दिलों पे राज करती है.

**दिल्ली पब्लिक स्कूल, मथुरा रोड, के कम्पाउंड में शायरी का मेला सा लगा था। शायर अपना ताज़ा कलाम सुना रहे थे और वाह वाह की आवाज़ से माहौल ख़ुशगवार हो रहा था। ये हिंदुस्तान का सबसे अज़ीम इंटरनेशनल मुशायरा है जिसमें पांच हज़ार से ज्यादा उर्दू के चाहने वालों ने अपने पसंदीदा शोअरा का कलाम सुना।**

**मुल्क के बाहर से आने वाले नामवर शायरों ने इस अदबी शाम को यादगार बना दिया। न्यूयार्क, अमरीका से डा. अब्दुल्लाह अब्दुल्लाह, मांचेस्टर, यू.के. से बासिर काज़मी, ओसाका, जापान से सो यामाने, टोरंटो, कनाडा से जावेद दानिश, दोहा, क़तर से अज़ीज़ नबील और कुवेत से मोहतरमा शाहजहां जाफ़री ने मुशायरे में शिरकत की।**

**हिंदुस्तान से जावेद अख़तर, मंसूर उस्मानी, पापुलर मेरठी, डा. नुसरत मेहदी, डा. नसीम निकहत, अक़ील नौमानी, आलोक श्रीवास्तव, मीनू बख़्शी और हुसैन हैदरी ने अपने कलाम से** दर्शकों का मन मोह लिया.

**मणिपुर की गर्वनर मोहतरमा डा. नजमा हेप्तुल्ला की मौजूदगी में 19वें मुशायरा जश्न-ए-बहार का आयोजन हुआ।** उर्दू के जाने माने अदीब व क्रिटिक **शमसुर्रहमान फ़ारूक़ी साहेब ने मुशायरे की सदारत फ़रमाई। सांसद व बालीवुड अदाकार शत्रुघन सिन्हा बतौर चीफ गेस्ट**

**और आई सी सी आर के डायरेक्टर जनरल अमेन्द्र खटुआ  बतौर गेस्ट ऑफ़ हॉनर मौजूद थे।** और मुशायरे की निजामत की कमान सम्हाली जनाब मंसूर उस्मानी ने.

**मुशायरों की ख़ूबसूरत रिवायत में जश्न-ए-बहार एक मज़बूत कड़ी है। शायर और शायरी के हवाले से** पिछले **18 बरस से ये मुशायरा इस** ऐतिहासिक **रिवायत के सिलसिले को और बल दे रहा है। नई तकनीक और मीडिया के नये ज़राए ने क्लासिकल शायरी** के रंगों से सजी **इस महफ़िल में खूबसूरत इज़ाफ़े कर दिये हैं।** जश्न-ए-बहार **का बेकड्राप और लोगो मशहूर आर्टिस्ट एम ऍफ़ हुसैन ने बनाये** हैं. **इसमें की गयी कैलीग्राफी में लिखा फ़ैज़ अहमद फैज़ के एक शेर का मिसरा "हम परवरिशे लौह-ओ-क़लम करते रहेंगे," जश्न-ए-बहार ट्रस्ट के मिशन की पहचान बन गया है.**

**जश्न-ए-बहार ट्रस्ट की बानी कामना प्रसाद ने मुशायरे का आगाज़ करते हुए कहा, "जश्न-ए-बहार ट्रस्ट मुल्क में अमन और यकजहती की बात करता है।** उर्दू **ने हमेशा मोहब्बत की बात की हैं, हर तरह** की **नाइंसाफ़ी के ख़िलाफ़ परचम बुलंद किया है, इंक़लाब के तराने गाये हैं। इसकी शीरीनी ग़ैर आशिक़ को भी आशिक़ बना देती है, गंगा और जमना के किनारों को जोड़ती है. लेकिन अफ़सोस, आज शायरी के हवाले से नफ़रतों की बात की जा रही है। और ये  hate poetry याने नफरत की शायरी मुशायरों में  पढ़ी भी जा रही है. ऐसा होना किसी भी ज़बान, उसके अदब और मुआशरे के लिए माफिक नहीं है. हम इस ज़हनियत की पुरजोर मुखालफत करते हैं. और आप सब को इस मुहीम में शामिल करना चाहते हैं...  के नफरतों की शायरी, चाहे किसी भी ज़बान में हो, उस पे दाद देना तो दूर, उसे सुनने से भी गुरेज़ करें ."**

**डा. नजमा हेपतुल्लाह ने कहा, "उर्दू अपने इब्तदाई दौर से ही दिलों को जोड़ने का काम करती आ रही है, राब्ते की ज़बान बन कर, मुहब्बत की ज़बान बन कर. ये ज़बान हिंदुस्तान की मुश्तरिका तहजीब की अलमबरदार है. और अहद-ए-हाज़िर में जश्न-ए-बहार उर्दू का चिराग रोशन रखे है."**

**जनाब शमसुर्ररहमान फ़ारूक़ी ने कहा, "मुशायरे के इदारे की सबसे बड़ी खुसूसियत ये है के ये हिन्दुस्तानी तहजीब का कायमकरदा है. किसी और अदबी रिवायत में मुशायरे की वो शक्ल नहीं मिलती जो उर्दू में राइज है. और इसलिए पिछले कोई तीन सौ बरस से ये हमारी तहजीब का एक अहम हिस्सा है.**

**जनाब शत्रुघन सिन्हा ने कहा, "हिन्दुस्तानी फ़िल्म इंडस्ट्री अपने शुरुआती दौर से ले कर आज तक उर्दू ही बोलती हैं. मशहूर-ए-ज़माना** डायलॉग **हों या गाने, जो लोगों को ज़बानी याद रहते हैं, सभी उर्दू में होते हैं. ये बात आजकल की फिल्मों के लिए भी उतनी ही सही है और पुख्ता दलील है के उर्दू हिन्दुस्तान की रगों में गर्दिश करती है."**

**जनाब अमेन्द्र खटुआ ने कहा, "जश्न-ए-बहार 2017, इस** ज़िंदा **ज़बान के अदब को और फरोग देगा."**

**मुशायरा जश्न-ए-बहार 2017 का आयोजन आई सी सी आर, डी पी एस मथुरा रोड, तक्शिला एजूकेशनल सोसाइटी, एम आर मोरारका फ़ाउंडेशन, टाटा सन्स लिमिटेड, ओवरसीज़ इन्फ़्रास्ट्रेक्चर अलाएंस, अम्बुजा-निवेटिया होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड, ओ एन जी सी लिमिटेड और पेट्रोनेट एल एन जी** लिमिटेड **के सहयोग से किया गया.**

---

**आपसे अनुरोध है कि अपने अख़बार/मैगज़ीन में शाया करके और चीवी चेनल पर मुनासिब कवरेज देकर उर्दू के सेक्यूलर कलचर को बढ़ावा देने में हमारी मदद करें।**

**और जानकारी के लिए:**
**कनवीनर अपर्णा रेड्डी**
**फ़ोन - 011-4162893 2686260 मोबाइल - 9310904348**
Email : jashnebahar@gmail.com